



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 468]
No. 468]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 30, 1985/आश्विन 8, 1907
NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 30, 1985/ASVINA 8, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1985

आदेश

का०आ० 718 (अ) —भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 387 (अ), तारीख 7 जुलाई, 1979; सं० का०आ० 497 (अ), तारीख 5 जुलाई, 1980 स. का०आ० 541 (अ), तारीख 6 जुलाई, 1981, सं० का०आ० 480 (अ), तारीख 7 जुलाई, 1982, सं० का०आ० 497 (अ), तारीख 7 जुलाई, 1983, सं० का०आ० 489 (अ), तारीख 6 जुलाई, 1984, सं० का०आ० 983 (अ), तारीख 31 दिसम्बर, 1984, सं० का०आ० 67 (अ), तारीख 31 जनवरी, 1985, तथा सं० का०आ० 282 (अ), तारीख 30 मार्च, 1985, सं० का०आ० 500 (अ), तारीख 28 जून, 1985 के साथ पठित भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का०आ० 426 (अ), तारीख 8 जुलाई, 1974 (द्वारा जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) मैसर्स एसोसिएटेड इन्डस्ट्रीज (आसाम) लिमिटेड, चन्द्रपुर, नामक औद्योगिक उपक्रम के रसायन एकक का प्रबन्ध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951

(1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन 30 सितम्बर, 1985 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिए ग्रहण कर लिया गया था और मैसर्स आसाम इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था,

और केन्द्रीय सरकार की यह राय होने पर कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध मैसर्स आसाम इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, के पास 30 नवम्बर, 1985, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बना रहे,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 30 अक्टूबर, 1985 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रभाव बना रहेगा।

[का० सं० 4(4)/85- सं यू एस]

ए० वी० गोकाक मयूक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY
AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 30th September, 1985

ORDER

S.O. 718(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 426(E), dated the 8th July, 1974 (hereinafter referred to as the said Order), read with the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), Nos. S.O. 387(E), dated the 7th July, 1979, S.O. 497(E), dated the 5th July, 1980, S.O. 541(E), dated the 6th July, 1981, S.O. 480(E), dated the 7th July, 1982, S.O. 497(E), dated the 7th July, 1983, S.O. 489(E), dated the 6th July, 1984, S.O. 983(E), dated the 31st December, 1984, S.O. 67(E), dated the 31st January, 1985, S.O. 282(E), dated the 30th March, 1985 and S.O. 500(E), dated the 28th June, 1985 the management of the Chemical Unit of Industrial undertaking

known as Messrs Associated Industries (Assam) Limited, Chandrapur was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), upto and inclusive of the 30th September, 1985 and Messrs Assam Industrial Development Corporation Limited was authorised to take over the management of the said industrial undertakings;

And, whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue to be under the management of Messrs Assam Industrial Development Corporation Limited upto and inclusive of 30th November, 1985;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said order shall continue to have effect upto and inclusive of the 30th November, 1985.

[F. No. 4(4)/80-CUS]

A. V. GOKAK, Jt. Secy.